आगे-पीछे की एक साथ शानदार चुदाई-1

“प्रेषक : श्रेयस पटेल मेरा नाम अमृता है, उम्र 24 साल की है, मेरी शादी को लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरा कद 5’6″ है और मेरा रंग थोड़ा साँवला है। मैं देखने मैं काफ़ी सेक्सी हूँ। मेरा बदन 34-30-36 है। मेरी पिछाड़ी का साइज़ काफ़ी बड़ा है। मैं आप लोगों को आज अपनी […] …”

Story By: (shreyaspatel21ster)
Posted: Wednesday, March 5th, 2014
Categories: पड़ोसी
Online version: आगे-पीछे की एक साथ शानदार चुदाई-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आगे-पीछे की एक साथ शानदार चुदाई-1

प्रेषक : श्रेयस पटेल

मेरा नाम अमृता है, उम्र 24 साल की है, मेरी शादी को लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरा कद 5’6″ है और मेरा रंग थोड़ा साँवला है। मैं देखने मैं काफ़ी सेक्सी हूँ। मेरा बदन 34-30-36 है। मेरी पिछाड़ी का साइज़ काफ़ी बड़ा है।

मैं आप लोगों को आज अपनी कहानी सुनने जा रही हूँ। मैं जो बात बताने जा रही हूँ, वो मेरे और मेरे पति के एक दोस्त के बीच बने सम्बन्ध की कहानी है। मेरे पति एक कॉलेज में लेक्चरर हैं, उनका एक दोस्त है नीलेश, वो मेरे घर के पीछे बने कमरे में रहता है, उसकी शादी नहीं हुई है।

नीलेश की उमर 24-25 साल की होगी लेकिन वो अच्छे परिवार से है तो उसका शरीर बहुत अच्छा है। मैं जब उससे पहली बार मिली तो मेरे पति ने मुझे उससे अपना किरायेदार की तरह से मिलवाया था।

वो मुझसे भाभीजी-भाभीजी कह कर मिलने लगा कभी पानी लेने आ जाता, कभी कुछ खाना माँगने के बहाने आने लगा। वो बहुत शरारत करता था। पहले तो मुझे अच्छा नहीं लगा, पर फिर मुझे लगा कि वो दिल से बुरा नहीं है।

फिर थोड़े ही दिनों में मैंने एक आकर्षण उसकी ओर महसूस किया था लेकिन नीलेश मुझे एक दोस्त की तरह कई बार छेड़ चुका था।

एक बार होली के त्योहार पर नीलेश किसी काम के कारण घर नहीं जा पाया था, तो मेरे पति विक्रम ने उसे अपने घर हमारे साथ होली मनाने को बुला लिया था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

होली खेलते-खेलते मेरी नज़र उस पर पड़ी, वो मुझे देख रहा था। मैं रंग में भीगी हुई थी, मेरी बड़ी-बड़ी चूचियाँ मेरे लिबास के ऊपर से तनी हुई दिख रही थीं जिनको देख कर कोई भी लण्ड मुझे चोदना चाहे मगर मैं सिर्फ़ लोगों को रंग लगाने में व्यस्त थी।

तभी मुझे लगा कि किसी ने मुझे पीछे से पकड़ लिया। मैंने मुड़ कर देखा तो नीलेश था, उसने मेरी चूचियों को कस कर पकड़ के दबा दिया था। मैं घबरा गई कि किसी ने देख लिया तो !?

मैं उससे अलग होना चाहती थी मगर उसने मुझे अलग नहीं होने दिया और धीरे से बोला- अरे भाभीजी, आज तुमको रंगों मैं रंग दूँगा।

यह कह कर उसने मुझे अपनी गोदी में उठा लिया और पानी के रंगों की टंकी जो हमने होली खेलने के लिए रखी थी, उसमें मुझे फेंक दिया। उसमे फेंकने से मेरे सारे कपड़े भीग गये और मेरी चूचियाँ कपड़े से चिपक गईं, जिससे वो पूरी साफ-साफ दिखाई देने लगी थी।

मैं शरमा रही थी मगर उसकी शरारती आँखें मुझे घूर रही थीं, यह देख कर मेरी जान ही निकलने लगी थी।

मैं करूँ तो क्या ! यह सोच कर परेशान हो रही थी कि तभी उसका एक हाथ मैंने अपनी एक चूचियों पर महसूस किया। उसने मेरी चूची को कस कर दबा दिया था और मेरे उभरे हुए चूचुक को कस कर नोच लिया था।

मैं चीख से उठी- उईईई, इस्स… आहह… क्या करते हो !

“अरे भाभी, आज तो तुम कमाल लग रही हो !” उसने मेरे कान में धीरे से कहा।

मैं शरमा गई फिर वो मेरे करीब आ कर बोला- भाभी, आज तुमको चोदने का मन कर रहा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

है।

मैंने गुस्से से एक थप्पड़ उसके गाल पर मार दिया। वो देखता रह गया। मुझे उस पर बहुत गुस्सा आया था। उसने यह बात कही कैसे !मैं यह सोच कर हैरान थी।

इसके बाद मैं चुपचाप अपने कमरे में आ गई। यह सब कुछ शायद किसी ने नहीं देखा था। मैं सोच रही थी कि कोई कुछ पूछेगा तो मैं क्या जवाब दूँगी !लेकिन भगवान का शुक्र है कि किसी ने नहीं देखा था। मैं सोच रही थी कि क्या मुझे अपने पति के अलावा किसी और की भी जरूरत पड़ सकती है जिससे मैं अपने पति की अनुपस्थिति में तन का सुख लूट सकूँ। शायद मेरे विचार बदल रहे थे।

होली के दूसरे दिन ही मेरा घर खाली हो गया। मेरे पति कॉलेज चले गये थे। मैं घर पर अकेली थी। नीलेश ने घंटी बजाई, मैं दरवाजे पर गई, वो सामने खड़ा था।

वो आज काफ़ी अच्छा लग रहा था। काले रंग की टी-शर्ट और ब्लू-कलर का लोवर पहने था। मैं खामोशी से दरवाजे खोल कर अंदर चली आई।

“भाभीजी !क्या अम्मा घर पर हैं ?”

“नहीं अम्मा घर पर नहीं हैं।”

वो चारों तरफ नज़र दौड़ाता हुआ बोला- क्या कोई भी घर पर नहीं है ?

मैंने कहा- हाँ, कोई भी घर पर नहीं है।

“भाभीजी मैं तुमसे कल के लिए माफी माँगता हूँ, मुझे माफ़ कर दो।”

मैंने देखा कि वो सच मे काफ़ी गंभीर लग रहा था। मैं बिना कुछ बोले दरवाजे बंद कर के

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपने कमरे में आ गई।

वो मेरे पीछे-पीछे कमरे में आ गया। मैंने कमरे का दरवाजा बंद कर दिया।

वो बोला- यह क्या कर रही हो भाभीजी ?

“तुम कल क्या कह रहे थे ? क्या वो करना नहीं चाहोगे ?”

यह सुन कर वो हैरान रह गया था। मैंने उस समय घर की नाईटी पहनी हुई थी, मैंने वो नाईटी उतार दी। मैं अब सिर्फ़ काली ब्रा और काली प्रिंट की पैन्टी में थी। मेरा गोरा बदन देख कर नीलेश का लण्ड खड़ा हो गया था। मैं उसे उसके लोवर के ऊपर से महसूस कर सकती थी।

मैं अपने बेड पर जाकर लेट गई और इशारे से नीलेश को बुलाया। वो आगे बढ़ा और मेरे पास बेड पर आ गया। मैंने उसे शरमा कर देखा, वो मुझे घूर रहा था। मैं शायद कहीं ना कहीं उससे पसंद करने लगी थी। नीलेश ने मौका अच्छा जान कर मेरे पास आने का कदम उठा लिया।

वो मेरे करीब आ गया और अपने कपड़े उतार के मेरे बिल्कुल पास आ गया। वो बिस्तर पर मुझ पर झुकता चला गया। वो मुझे छूकर कुछ महसूस करना चाह रहा था। मैंने उसका स्वागत मुस्कुरा कर किया। वो मेरे होंठों को चूमना चाह रहा था। मैंने उसको अपने होंठों को चूमने का मौका दिया। वो झुक कर मेरे चेहरे पर चुम्बन करने लगा और तभी उसने अपने होंठों को मेरे होंठों पर रखा, उसकी गरमा-गर्म साँसें मुझे छू रही थीं।

मेरी उत्तेजना बढ़ने लगी थी, मैंने उसको अपनी बांहों में भर लिया और मैं भी उसे चुम्बन करने लगी। मेरे हाथ उसके बालों में घूमने लगे थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तब उसने मेरी गर्दन और गालों पर चुम्बन किया और मुझे कस कर जकड़ लिया और मेरे ऊपर टूट पड़ा था। मैं उसकी बांहों में पिघलने सी लगी थी, वो मुझे खुशी से चूमने लगा था। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैं उसके अहसास को आज तक भूल नहीं पाई हूँ। वो मुझे मेरे पति से अच्छा प्यार कर रहा था। मैं तड़प रही थी, तभी वो थोड़ा नीचे सरक गया और मेरी चूचियों को अपने हाथों में लेकर मुझे देखने लगा।

मैं बेचैन हो रही थी क्योंकि बहुत दिनों से मेरे पति ने मुझे नहीं चोदा था। मैं आज उससे जम कर चुदवाना चाह रही थी, मैंने उसके सिर पर हाथ रख कर अपनी चूचियों के करीब कर दिया। यह एक संकेत था कि मैं उसे यह बताना चाह रही थी कि मेरे इन रसीले आमों को चूसो।

वो मेरा इशारा समझ गया और मेरी चूचियों को चूसने लगा। मेरा मन मचलने लगा वो दबा कर मेरी चूचियों को चूसने लगा था। मेरे चूचुक कठोर से होने लगे थे। वो उनको ऐसे पी रहा था जैसे एक बच्चा अपनी माँ के दूध को पीता है।

वो मेरी चूचियों को कस-कस कर मसल रहा था। मेरे स्तन दुखने लगे थीं। मेरी चूचियाँ लाल हो गई थीं। मैं उसको खूब प्यार करना चाह रही थी, तभी वो मेरी नाभि को चूमता हुआ मेरी योनि यानि चूत के पास पहुँच गया और मेरी चिकनी चूत को देख कर वो मस्त हो गया क्योंकि मेरी चूत पानी छोड़ चुकी थी और मैंने कुछ दिनों पहले ही बाल बनाए थे, सो मेरी चूत काफ़ी चिकनी नज़र आ रही थी।

उसने मुझे देखा, मैं मुस्कुराई और उसके सिर पर हाथ रख कर अपनी चूत पर दबा दिया। वो जीभ से मेरी चूत को चाटने लगा। मेरी चूत को वो पूरी तरह से चाट रहा था। उसकी जीभ मेरी चूत में घुस कर मेरी चूत के अंदर आग लगा रही थी। तभी ना जाने कब उसने अपनी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उंगली मेरी चूत में डाल दी और मेरी चूत को फैला कर चाटने-चूसने लगा।

कहानी जारी रहेगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोसन भाभी की प्यासी चूत का चोदू कुत्ता

दोस्तो, मेरा नाम सागर है.. मैं इंदौर से हूँ, मुझे सेक्स में बहुत रूचि है। मैं आपको अपनी आपबीती के बारे में बता रहा हूँ.. मेरे पड़ोस में एक कपल रहते हैं.. मैं उन्हें भैया-भाभी कहता हूँ। भैया एक कंपनी […]
Full Story >>>

मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -13

पड़ोसी चाचा से छत पर चुदी अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी प्यारी नेहारानी का प्यार और नमस्कार। अब तक आपने पढ़ा.. तभी मुझे याद आई नाईटी तो मैं सूखने को डाली थी.. वही पहन लेती हूँ। मैं यहाँ पति का […]
Full Story >>>

मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -12

अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी प्यारी नेहारानी का प्यार और नमस्कार। अब तक आपने पढ़ा.. मैं चाचा को याद करके चूत के लहसुन को रगड़ने लगी और यह सोचने लगी कि चाचा मेरी रस भरी चूत को चाट रहे हैं […]
Full Story >>>

मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -11

अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी प्यारी नेहारानी का प्यार और नमस्कार। अब तक आपने पढ़ा.. पड़ोसी चाचाजी ने मुझे पकड़ रखा था.. और वे मुझसे मस्ती किए जा रहे थे। ‘एक बात और.. तुमको मेरे लण्ड को देख कर चुदने […]
Full Story >>>

मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -10

अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी प्यारी नेहारानी का प्यार और नमस्कार। अब तक आपने पढ़ा.. मैं पूरी तरह झड़कर जेठ से लिपट कर झड़ी चूत पर लण्ड की चोट खाती रही। पर आज ना जाने क्यों जेठ झड़ ही नहीं […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Delhi Sex Chat

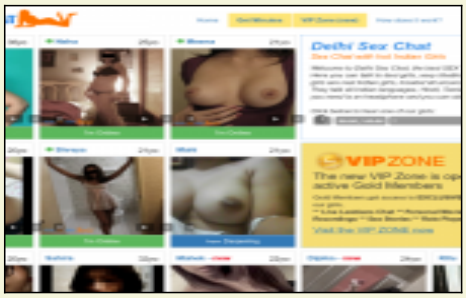

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire